॥ संकटनाशन गणेश स्तोत्रम् ॥

Sankat Nashan Ganesh Stotra

नारद पुराण से | From Narada Purana

॥ संपूर्ण संस्कृत पाठ ॥

Complete Sanskrit Text

॥ नारद उवाच ॥

॥ १ ॥

प्रणम्य शिरसा देवं गौरीपुत्रं विनायकम् ।
भक्तावासं स्मरेन्नित्यमायुःकामार्थसिद्धये ॥

॥ २ ॥

प्रथमं वक्रतुण्डं च एकदन्तं द्वितीयकम् ।
तृतीयं कृष्णपिंगाक्षं गजवक्त्रं चतुर्थकम् ॥

॥ ३ ॥

लम्बोदरं पञ्चमं च षष्ठं विकटमेव च ।
सप्तमं विघ्नराजं च धूम्रवर्णं तथाष्टमम् ॥

॥ ४ ॥

नवमं भालचन्द्रं च दशमं तु विनायकम् ।
एकादशं गणपतिं द्वादशं तु गजाननम् ॥

॥ ५ ॥

द्वादशैतानि नामानि त्रिसन्ध्यं यः पठेन्नरः ।
न च विघ्नभयं तस्य सर्वसिद्धिश्च जायते ॥

॥ ६ ॥

विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी लभते धनम् ।
पुत्रार्थी लभते पुत्रान्मोक्षार्थी लभते गतिम् ॥

॥ ७ ॥

जपेद् गणपतिस्तोत्रं षड्भिर्मासैः फलं लभेत् ।
संवत्सरेण सिद्धिं च लभते नात्र संशयः ॥

॥ ८ ॥

अष्टाभ्यो ब्राह्मणेभ्यश्च लिखित्वा यः समर्पयेत् ।
तस्य विद्या भवेत्सर्वा गणेशस्य प्रसादतः ॥

॥ इति श्री नारदपुराणे संकटनाशनं गणेशस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ अंग्रेज़ी लिप्यंतरण (Transliteration) ॥

|| Narada Uvacha ||

|| 1 ||

Pranamya Shirasa Devam Gauriputram Vinayakam |
Bhaktavasam Smaren Nityam Ayuh Kamartha Siddhaye ||

|| 2 ||

Prathamam Vakratundam Cha Ekadantam Dvitiyakam |
Tritiyam Krishnapingaksham Gajavaktram Chaturthakam ||

|| 3 ||

Lambodaram Panchamam Cha Shashtham Vikata Meva Cha |
Saptamam Vighnarajam Cha Dhumravarnam Tathashtamam ||

|| 4 ||

Navamam Bhalachandram Cha Dashamam Tu Vinayakam |
Ekadasham Ganapatim Dvadasham Tu Gajananam ||

|| 5 ||

Dvadashaitani Namani Trisandhyam Yah Pathen Narah |
Na Cha Vighnabhayam Tasya Sarvasiddhishcha Jayate ||

|| 6 ||

Vidyarthi Labhate Vidyam Dhanarthi Labhate Dhanam |
Putrarthi Labhate Putran Moksharthi Labhate Gatim ||

|| 7 ||

Japed Ganapati Stotram Shadbhir Masaih Phalam Labhet |
Samvatsarena Siddhim Cha Labhate Natra Samshayah ||

|| 8 ||

Ashtabhyo Brahmanebhyashcha Likhitva Yah Samarpayet |
Tasya Vidya Bhavet Sarva Ganeshasya Prasadatah ||

|| Iti Shri Narada Purane Sankatanashanam Ganeshastotram Sampurnam ||

॥ श्लोक-दर-श्लोक अर्थ ॥

Verse-by-Verse Meaning (Hindi & English)

श्लोक १ / 1

English:

Bowing one's head to the Divine Lord, the Son of Gauri, Vinayaka — who is the abode of all devotees — one should remember Him always for the attainment of long life, fulfillment of desires, and the realization of life's goals.

हिंदी:

देवी गौरी के पुत्र और भक्तों के आश्रय, भगवान विनायक को सिर झुकाकर प्रणाम करते हुए, लंबे जीवन, इच्छाओं की पूर्ति और जीवन के उद्देश्यों की सिद्धि के लिए सदा उनका स्मरण करना चाहिए।

श्लोक २ / 2

English:

First, He is Vakratunda (the curved-trunked one); second, Ekadanta (with a single tusk); third, Krishnapingaksha (with dark-brown eyes); and fourth, Gajavaktra (one with an elephant's face).

हिंदी:

पहला नाम है वक्रतुण्ड — जिनकी सूँड मुड़ी हुई है; दूसरा है एकदंत — जिनके एक ही दाँत है; तीसरा है कृष्णपिंगाक्ष — जिनकी आँखें गहरे भूरे-काले रंग की हैं; और चौथा है गजवक्त्र — जिनका मुख हाथी जैसा है।

श्लोक ३ / 3

English:

Fifth is Lambodara (the large-bellied one); sixth is Vikata (of immense form); seventh is Vighnaraja (the supreme remover of obstacles); and eighth is Dhumravarna (the grey or smoke-coloured one).

हिंदी:

पाँचवाँ नाम है लंबोदर — जिनका उदर विशाल है; छठा है विकट — जिनका स्वरूप अत्यंत भव्य है; सातवाँ है विघ्नराज — जो विघ्नों को दूर करने में सर्वश्रेष्ठ हैं; और आठवाँ है धूम्रवर्ण — जिनका रंग धुएँ जैसा या भूरा-स्लेटी है।

श्लोक ४ / 4

English:

Ninth is Bhalachandra (one who bears the crescent moon on the forehead); tenth is Vinayaka (the remover of obstacles and supreme guide); eleventh is Ganapati (the lord of all celestial attendants); and twelfth is Gajanana (one with the face of an elephant).

हिंदी:

नवाँ नाम है भालचन्द्र — जिनके मस्तक पर चंद्रमा शोभायमान है; दसवाँ है विनायक — जो सभी बाधाओं को हटाकर सन्मार्ग दिखाते हैं; ग्यारहवाँ है गणपति — जो सभी गणों के स्वामी हैं; और बारहवाँ है गजानन — जिनका मुखमण्डल गज (हाथी) जैसा है।

श्लोक ५ / 5

English:

He who recites these twelve names of Ganesha at the three sacred junctions of the day — dawn, noon, and dusk — will have no fear of obstacles, and all forms of success will naturally arise in his life.

हिंदी:

जो मनुष्य इन बारह नामों का पाठ तीनों संध्याओं — प्रातः, मध्याह्न और सायंकाल — में करता है, उसे विघ्नों का कोई भय नहीं रहता और उसके जीवन में सभी सिद्धियाँ स्वयं आती हैं।

श्लोक ६ / 6

English:

The seeker of knowledge obtains knowledge; the seeker of wealth obtains wealth; the seeker of children is blessed with children; and the seeker of liberation obtains that liberating path.

हिंदी:

विद्या की इच्छा रखने वाला विद्या पाता है; धन चाहने वाला धन पाता है; पुत्र की कामना करने वाला पुत्र पाता है; और मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला मुक्ति की गति प्राप्त करता है।

श्लोक ७ / 7

English:
One who chants this Ganapati Stotra regularly begins to see fruits within six months, and attains complete spiritual accomplishment (siddhi) within a year — of this there is no doubt.

हिंदी:
जो इस गणपति स्तोत्र का नियमित जप करता है, उसे छः महीने में फल मिलना शुरू होता है और एक वर्ष के भीतर पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है — इसमें संशय नहीं।

श्लोक ८ / 8

English:
He who writes this stotra and offers it to eight learned persons — by the grace of Lord Ganesha, all forms of knowledge will become accessible to him.

हिंदी:
जो इस स्तोत्र को लिखकर आठ विद्वान व्यक्तियों को अर्पित करता है, उसे गणेश जी की कृपा से सभी प्रकार की विद्या की प्राप्ति होती है।

॥ गणेश जी के बारह दिव्य नाम ॥

The Twelve Divine Names of Lord Ganesha

नाम	हिंदी अर्थ	English Meaning
वक्रतुण्ड	जिनकी सूँड मुड़ी हुई है	Curved Trunk
एकदंत	एक दाँत वाले	Single Tusk
कृष्णपिंगाक्ष	भूरी-काली आँखों वाले	Dark-Brown Eyes
गजवक्त्र	हाथी जैसे मुख वाले	Elephant-Faced
लंबोदर	विशाल उदर वाले	Large-Bellied
विकट	विशाल देहधारी	Of Immense Form
विघ्नराज	विघ्नों के राजा	King of Obstacles
धूम्रवर्ण	धुएँ जैसे रंग वाले	Smoke-Coloured
भालचन्द्र	मस्तक पर चंद्रमा धारण करने वाले	Crescent Moon on Forehead
विनायक	मार्गदर्शक एवं बाधा-हर्ता	Supreme Guide
गणपति	गणों के अधिपति	Lord of Celestial Beings
गजानन	गज-मुख वाले	Elephant-Faced Lord

॥ पाठ वधिि ॥

Method of Recitation (Path Vidhi)

उचति समय / Appropriate Time

स्तोत्र में स्वयं त्रसिंध्या — प्रातःकाल (सूर्योदय), मध्याह्न और सायंकाल (सूर्यास्त) — का उल्लेख है। ये तीन समय वैदकि परंपरा में सबसे पवत्रि माने जाते हैं।

The stotra itself mentions Trisandhya — morning (sunrise), noon, and evening (sunset). These three times are considered most sacred in the Vedic tradition.

वशिष दनि / Special Days

• बुधवार • गणेश चतुर्थी • संकष्टी चतुर्थी • कसिी भी नए कार्य की शुरुआत से पहले

• Wednesday • Ganesh Chaturthi • Sankashti Chaturthi • Before starting any new work

नए भक्तों के लिए सरल पाठ वधिि / Step-by-Step Method

१. स्नान एवं शुद्ध वस्त्र

स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें — शरीर और मन की शुद्धि से पाठ अधकि एकाग्र होता है।

1. Bath & Clean Clothes

Take a bath and wear clean clothes — purity of body and mind helps concentration.

२. दशिा एवं आसन

पूर्व या उत्तर दशिा की ओर मुँह करके बैठें (वैदकि परंपरा का सामान्य नयिम)।

2. Direction & Seat

Sit facing East or North (general Vedic tradition).

३. दीप एवं ध्यान

गणेश जी की प्रतमिा या चत्रि के सामने दीप जलाएँ और उनका ध्यान करें।

3. Lamp & Meditation

Light a lamp before the idol or picture of Lord Ganesha and meditate upon Him.

४. आह्वान मंत्र

एक बार « ॐ गं गणपतये नमः » का उच्चारण करें।

4. Invocation Mantra

Chant once: « Om Gam Ganapataye Namah ».

५. स्तोत्र पाठ

स्तोत्र का पाठ शांत और स्पष्ट स्वर में करें — जल्दी नहीं, प्रत्येक नाम को अनुभव करते हुए।

5. Recitation of Stotra

Recite the stotra in a calm and clear voice — without haste, experiencing each name.

६. समापन

पाठ के अंत में « ॐ गणेशाय नमः » कहें।

6. Conclusion

At the end say: « Om Ganeshaya Namah ».

७. क्षमा प्रार्थना

यदि कोई उच्चारण-दोष हुआ हो तो मन-ही-मन गणेश जी से क्षमा माँगें।

7. Prayer for Forgiveness

If any pronunciation error occurred, mentally seek forgiveness from Lord Ganesha.

महत्वपूर्ण टप्पिणी / Important Note

यह स्तोत्र इतना सरल है कि इसे यात्रा में, कार्यालय जाने से पहले, या किसी परीक्षा के दिन मन में भी स्मरण किया जा सकता है। नियम और विधि से अधिक, श्रद्धा का महत्त्व है।

This stotra is so simple that it can even be remembered mentally while travelling, before going to office, or on the day of an examination. More than rules and method, devotion (shraddha) is what matters most.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

May Lord Ganesha remove all obstacles